भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3810
बुधवार, 18 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

पूर्वोत्तर क्षेत्र में मिशन मौसम का कार्यान्वयन

†3810. श्री गौरव गोगोई:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मिशन मौसम में कितनी प्रगति हुई है और इसकी प्रमुख उपलब्धियां और भविष्य के लक्ष्य क्या हैं;

(ख) मानसून पूर्वानुमान की सटीकता में यदि कोई सुधार हुआ है, तो उसका ब्यौरा क्या है और यह जानकारी किसानों और नीति निर्माताओं सहित हितधारकों तक किस प्रकार प्रसारित की जा रही है;

(ग) पूर्वोत्तर क्षेत्र में, विशेष रूप से जटिल स्थलाकृति और विविध जलवायु परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में मौसम पूर्वानुमान और जलवायु मॉडलिंग क्षमताओं को बढ़ाने के लिए मिशन मौसम के अंतर्गत कार्यान्वित की गई रणनीतियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा मौसम की जानकारी और प्रारंभिक चेतावनियों के प्रसार के लिए पूर्वोत्तर में स्थानीय समुदायों को शामिल करने और उनके पारंपरिक ज्ञान को मौसम पूर्वानुमान मॉडल में शामिल करने के लिए क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं; और

(ङ) क्या मिशन मौसम ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का आकलन करने में योगदान दिया है और यदि हां, तो इन प्रभावों को कम करने और जलवायु लचीलापन बनाने के लिए अनुशंसित उपायों के साथ-साथ इसका ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) मिशन मौसम को सितंबर 2024 में आरंभ किया गया था, तथा इसे भारत के मौसम एवं जलवायु-आधारित विज्ञान, अनुसंधान, तथा सेवाओं में अभूतपूर्व सुधार करने के लिए एक बहु-आयामी तथा परिवर्तनकारी पहल माना गया है। मिशन मौसम का उद्देश्य भारत को मौसम के लिए तैयार तथा जलवायु के प्रति स्मार्ट बनाना है, तथा लक्ष्य यह है कि कोई भी मौसम पता लगाए बिना न रहे तथा सभी के लिए पूर्व चेतावनी जारी की जा सके। यह प्रचंड मौसमी घटनाओं तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का बेहतर तरीके से सामना करने के लिए नागरिकों एवं अंतिम उपयोगकर्ताओं समेत हितधारकों को बेहतर तरीके से सुसज्जित करने में मदद करेगा।

(ख) जी हां। पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत के सभी दक्षिण पश्चिमी मॉनसून पूर्वानुमान (जून-सितंबर) 80% सटीक थे। पिछले पांच वर्षों में भारी वर्षा, कोहरा, लू/शीत लहर, गर्ज के साथ तूफान जैसी अन्य गंभीर मौसमी घटनाओं की पूर्वानुमान सटीकता में 40 से 50 प्रतिशत सुधार हुआ है। तथा, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां किसानों एवं नीति-निर्माताओं समेत सभी हितधारकों को प्रभावी रूप से प्रसारित की जा रही हैं।

(ग) इस मिशन का मुख्य फोकस पूर्वोत्तर समेत देशभर में विभिन्न प्रेक्षण नेटवर्क में विस्तार करके प्रेक्षणों में सुधार करना, ताकि विभिन्न कालिक एवं स्थानिक पैमानों पर अत्यधिक सटीक एवं समयोचित मौसम एवं जलवायु सेवाएं प्रदान की जा सके, क्षमता निर्माण करना, तथा जागरुकता सृजित करना तथा मौसम पूर्वानुमान एवं जलवायु मॉडलिंग क्षमताओं हेतु नवप्रवर्तनशील समाधान विकसित करने तथा ज्ञान साझा करने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में अकादमिक संस्थानों के साथ सहयोगपूर्ण अनुसंधान परियोजनाएं तैयार करना है।

(घ) स्थानीय उपयोगकर्ता समुदायों जैसे कि किसानों / कृषि प्राधिकरणों, विमानन प्राधिकरणों, विद्युत प्राधिकरणों, उद्योगों, स्वास्थ्य एजेंसियों आदि के साथ लगातार संपर्क किया गया है, तथा उपयोगकर्ता बैठक / हितधारक बैठक, जागरुकता कार्यक्रमों आदि के माध्यम से नियमित रूप से इसकी जानकारी दी गई है। मौसम एवं जलवायु संबंधी सभी सेवाओं में सुधार के लिए समुदायों से फीडबैक लिया जाता है। पूर्वानुमान का प्रसारण करने, नियमित रूप से कार्यशाला एवं जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करने में स्थानीय भाषाओं का उपयोग करते हुए सामुदायिक पहुंच बढ़ायी जा रही है।

(ङ) जी हां। प्रेक्षण नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने के द्वारा पूर्वोत्तर भारत के जलवायु परिवर्तन का आकलन करने के लिए विगत वर्षों की तुलना में दीर्घ-कालिक वर्षा पैटर्नों में परिवर्तन का प्रेक्षण करना, तथा इस दिशा में सुदृढ़ता संबंधी उपाय करना संभव है।

******